

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 7 अगस्त, 2023

भारत को विश्व तीरंदाज़ी चैंपियनशिप में मिला पहला स्वर्ण पदक

हाल ही में प्रधानमंत्री ने बर्लिन में विश्व तीरंदाज़ी चैंपियनशिप में भारत के लिये पहला स्वर्ण पदक हासिल करने हेतु [ज्योति सुरेखा वेननम](#), परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम को बधाई दी।

- अदिति गोपीचंद स्वामी 17 वर्ष की उम्र में विश्व तीरंदाज़ी चैंपियनशिप में व्यक्तिगत कंपाउंड स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की वरिष्ठ विश्व चैंपियन और पहली भारतीय बनीं।
- विश्व तीरंदाज़ी [ओलंपिक](#) और [पैरालंपिक](#) खेल तीरंदाज़ी का अंतरराष्ट्रीय संघ है।
- संगठन की स्थापना वर्ष 1931 में हुई थी और इसकी ज़मिमेदारी विश्व भर में तीरंदाज़ी का वनियमन करना एवं उसे बढ़ावा देना है।
- विश्व तीरंदाज़ी संघ का कार्यालय स्वट्ज़रलैंड की ओलंपिक राजधानी लॉज़ेन में स्थित है।



प्राचीन विशालकाय व्हेल: पेरुसेटस कोलोसस

एक प्राचीन व्हेल प्रजाति, [पेरुसेटस कोलोसस](#) (पेरू की विशाल व्हेल) की हालिया पहचान ने समुद्री विशालकाय जीवों से संबंधित समझ को पुनः परिभाषित किया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन से इस विशाल प्राणी की उल्लेखनीय विशेषताओं का पता चलता है, जो संभावित रूप से समुद्री सतनधारियों में विशालता की कहानी को नया आयाम देती है।

- पी. कोलोसस का अनुमानित अस्थिभार कसि भी ज्ञात सतनपायी या जलीय कशेरुकी जंतु से अधिक है।
- आंशिक कंकाल में 13 कशेरुक, 4 पसलियाँ और 1 कूलहे की हड्डी शामिल है, जो दक्षिणी पेरू में पाया गया है और लगभग 39 मिलियन वर्ष पुराना माना जाता है।
- 85 से 340 टन के बीच अनुमानित शरीर के भार और 20 मीटर (66 फीट) की लंबाई वाली नई खोजी गई प्रजातिसबसे भारी जंतु के रूप में ब्लू

- व्हेल की स्थिति को चुनौती देती है। हालाँकि बलू व्हेल अधिक लंबी होती है, जिसकी लंबाई 100 फीट (30 मीटर) से भी अधिक होती है।
- यह प्रजाति अस्थि के द्रव्यमान में उच्चतम स्तर की वृद्धि दर्शाती है जो उथली गोताखोरी से जुड़ी है।
- समुद्री स्तनधारियों में विशालता की यह प्रवृत्ति पूर्व के अनुमान की अपेक्षा पहले ही उत्पन्न हुई होगी।



चंद्रयान-3 चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश

भारत के महत्वाकांक्षी चंद्र मशिन, [चंद्रयान-3](#) ने पृथ्वी से प्रस्थान के 23 दिनों बाद चंद्र कक्षा में प्रवेश करके एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है।

- चंद्रयान-3 भारत का तीसरा चंद्र मशिन एवं चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने का दूसरा प्रयास है।
 - मशिन ने 14 जुलाई, 2023 को दोपहर 2:35 बजे श्रीहरिकोटा के [सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र \(SDSC\)](#) से उड़ान भरी।
- कक्षाएँ:
 - चंद्र कक्षा: चंद्रमा के चारों ओर घूमते समय एक अंतरिक्ष यान द्वारा चलाया जाने वाला घुमावदार पथ।
 - ट्रांस-लूनर: वह प्रक्षेप पथ जो किसी अंतरिक्ष यान को पृथ्वी से उसकी कक्षा से परे चंद्रमा के रास्ते में एक बिंदु तक ले जाता है।
 - पृथ्वी की कक्षा: वह अंडाकार अथवा वृत्ताकार पथ जो एक उपग्रह या अंतरिक्ष यान गुरुत्वाकर्षण बलों के कारण पृथ्वी के चारों ओर घूमता है।

और पढ़ें... [चंद्रयान-3](#)

9वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दविस

प्रत्येक वर्ष 7 अगस्त को पूरे भारत में [राष्ट्रीय हथकरघा दविस](#) मनाया जाता है।

- हथकरघा दविस मनाने का प्राथमिक लक्ष्य हथकरघा को प्रोत्साहित करना और इस क्षेत्र से जुड़े बुनकर समुदाय के प्रयासों के साथ-साथ कौशल की पहचान करना है।
- यह दविस पहली बार 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया था। 7 अगस्त, 1905 को शुरू किये गए [स्वदेशी आंदोलन](#) (स्वदेशी उद्योगों विशेष रूप से हथकरघा बुनकरों का समर्थन) के सम्मान में इस तारीख का ऐतिहासिक महत्त्व है।
- [राष्ट्रीय हथकरघा दविस 2023 की थीम](#): "सतत् फैशन के लिये हथकरघा" (Handlooms for Sustainable Fashion)।